तापमान
अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 12.4 डिग्री

हरिभूमि
रेवाड़ी भूमि
रोहतक, मंगलवार, 11 मार्च 2025

11 हर गांव में तैयार हो रही होलिका, वीरवार शाम को किया जाएगा दहन

12 ईआरवी,पीसीआर व राइडर पर तैनात स्टाफ अपने-अपने एरिये में निरंतर गश्त करें: एसपी

DK Realestate
A name you can trust it.
DK Real Estate
लेकर आया है आपके लिए रेवाड़ी की प्राइम लोकेशन नया बस स्टैण्ड व मैट्रो स्टेशन के पास
प्लॉट ही प्लॉट
मात्र 20000/- प्रति वर्ग गज से शुरू
Website : www.dkrealestate.co.in
Dinesh Kumar dkrealestaterewari DK Real Estate

आप सभी के लिए 100 गज के प्लाट पर
सुनहरा अवसर
30% की छूट* लक्की ड्रा के तहत
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें।
9467141575

खबर संक्षेप

कमरे के बाहर खड़ी बाइक ले गए चोर

बावल। रसियावास रोड पर चोर एक मकान के अंदर कमरे के बाहर चौक में खड़ी बाइक चोरी कर ले गए। पुलिस शिकायत में यूपी के लहरा निवासी प्रमोद कुमार ने बताया कि वह अपने दोस्त दिनेश कुमार निवासी आनंदपुर की बाइक लेकर अपने किराए के कमरे पर आया था। बाइक को कमरे के बाहर चौक में खड़ी करके लॉक कर दिया था। सुबह जब वह कमरे से बाहर आया तो उसे बाइक नहीं मिली। काफी तलाश करने के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी।

जीआरपी ने दर्ज किया ऑटो चालक पर केस

रेवाड़ी। जीआरपी ने नारनौल रेलवे स्टेशन के गेट पर ऑटो खड़ा करके रास्ता बाधित करने के आरोप में एक ऑटो चालक के खिलाफ केस दर्ज किया है। जीआरपी के अनुसार कुलताजपुर निवासी संजय कुमार अपना ऑटो जनरेटर शेड के पास खड़ा करके सवारियों को आवाज लगा रहा था। इससे रास्ता बाधित हो रहा था। जीआरपी ने उसे वहां से ऑटो हटाने को कहा, लेकिन वह अपनी हरकत से बाज नहीं आया। जीआरपी ने ऑटो कब्जे में लेने के बाद उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

मामूली कहासुनीं के बाद की मारपीट

धारूहेड़ा। रोजका में मामूली कहासुनीं के बाद एक व्यक्ति के साथ मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस बयान में विनोद कुमार ने बताया कि क्रिकेट खेल रहे युवकों में एक मोहित ने उसकी स्कूटी पर बॉल मार दी। जब उसने आपत्ति जताई तो मोहित ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसके परिजनों ने आकर उसके साथ मारपीट की। आसपास के लोगों ने उसे बचाव कराते हुए अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी।

दहेज उत्पीड़न मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। महिला थाना पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विवाहिता की शिकायत मिलने के बाद दोनों पक्षों के बीच काउंसलिंग के जरिए समझौता कराने के प्रयास किए थे। काफी प्रयास करने के बाद भी समझौता नहीं हुआ तो पुलिस ने गत 2 मार्च को विवाहिता के ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले के एक आरोपी गुरूग्राम के गढ़ी हरसरू निवासी नरेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। बाद में आरोपी को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

गुलाबी बाग से नौवीं का छात्र लापता

रेवाड़ी। गुलाबी बाग से 9वीं कक्षा में पढ़ने वाला छात्र अचानक घर से लापता हो गया। रामपुरा थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में परमबीर यादव ने बताया कि उसका बेटा दक्ष 6 मार्च को रात के समय घर से लापता हो गया। सुबह जब वह अपने कमरे में नहीं मिला, तो उसकी तलाश शुरू की गई। रिश्तेदारियों व दूसरे स्थानों पर पूछताछ करने के बाद भी उसके बेटे का कोई पता नहीं चला। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद लापता की तलाश शुरू कर दी।

पुलिस ने नगर परिषद को नोटिस देकर कचरा उठान के सभी रिकॉर्ड मांगे

पुलिस के काबू से बाहर कचरा उठान घोटाले का जिन्न, एक महीने से आरोपी गिरफ्त से बाहर

- पुलिस की ओर से अब नगर परिषद और धर्मकांटा संचालक को नोटिस भेजा गया
- सभी गाड़ियों के ड्राइवरों की भी मांगी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

फरवरी माह में सीएम फ्लाइंग ने नगर परिषद के महाराणा प्रताप चौक स्थित सफाई शाखा कार्यालय में कूड़ा उठान में किए जा रहे घोटाले को उजागर किया था। इसके बाद सीएसआई की ओर से थाना मॉडल टाउन में केस दर्ज कराया गया, लेकिन एक महीने के करीब होने पर भी कचरा उठान घोटाले के आरोपी पुलिस गिरफ्त से बाहर है। कचरा उठान घोटाले का जिन्न अभी काबू नहीं हो पाया है। पुलिस की ओर से अब नगर परिषद और धर्मकांटा संचालक को नोटिस भेजा गया है। पुलिस ने धर्मकांटा संचालक से तोल संबंधी रिकॉर्ड और नगर परिषद से सभी डंपर ड्राइवरों के नाम व कचरे के वजन संबंधी दस्तावेज मांगे हैं।

धर्मकांटे की 51 पर्चियां पाई गई थी फर्जी

शहर से उठने वाले कचरे को पहले बीएमजी मॉल स्थित एमआरएफ सेंटर में डाला जाता है। उसके बाद डंपरों से बावल स्थित रामसिंहपुरा के कचरा डंपिंग यार्ड में भेजा जाता है, लेकिन इससे पहले धर्मकांटे पर डंपरों का वजन कराना अनिवार्य होता है, लेकिन डंपरों का बिना वजन कराए ही यार्ड में कचरा डाला जा रहा था और धर्मकांटे से फर्जी पर्चियां निकाली जा रही थी। सीएम फ्लाइंग ने 14 फरवरी को सीएसआई कार्यालय में कचरा उठान के रिकॉड की धर्मकांटे पर जांच की थी। धर्मकांटा संचालक ने सीसीटीवी फुटेज को लेकर डीवीआर खराब होने का बहाना बना दिया। जब पास के राम बिल्डिंग मेटेरियल की दुकान के सीसीटीवी कैमरे चैक किए तो धर्मकांटे पर वजन के लिए कोई डंपर ही नजर नहीं आया। धर्मकांटे से 1 फरवरी से 6 फरवरी तक काटी गई 51 पर्चियां फर्जी पाई गई। पुलिस ने फर्म की गाड़ियों के ड्राइवर सूरजमल, संदीप, राजेश व पारस धर्मकांटा के संचालक अशोक कुमार शर्मा निवासी गांव कांटी खेडी जिला महेंद्रगढ़ हाल निवास विजय नगर के खिलाफ फर्जीवाडे का केस दर्ज किया था।पुलिस की जांच में नगर परिषद के कुछ अधिकारी व कर्मचारी भी आ सकते हैं। अब आरोपियों के पकड़े जाने के बाद ही पता चलेगा कि कचरा घोटाले में कौन-कौन शामिल है। नगर परिषद ने दयाचरण कंपनी को डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन सेग्रिगेशन, ट्रांसपोर्टेशन व कचरा डंपिंग व सोलिड वेस्ट का ठेका दिया हुआ है, जिसमें 1736 रुपये प्रति मीट्रिक टन कूड़ा उठाने का रेट निर्धारित किया गया है। शहर से डोर-टू-डोर का कूड़ा एकत्रित करके बीएमजी मॉल के पास एमआरएफ सेंटर पर डाला जाता है। उसके बाद डंपरों द्वारा गांव रामसिंहपुरा बावल स्थित डंपिंग यार्ड पर भेजा जाता है। इससे पहले धर्मकांटा पर गाड़ी और कूड़े का तोलना अनिवार्य होता है, लेकिन कचरे के डंपरों का बिना वजन किए धर्मकांटे पर फर्जी तरीके से पर्ची काट दी गई। अगर अब ठीक तरह से जांच हो तो फर्जीवाडे के इस खेल में कई नाम उजागर हो सकते है। शहर में डोर-टू-डोर कचरा कलेक्शन के लिए पांच करोड से अधिक का टेंडर दिया गया था, जिसमें तीन करोड़ से अधिक की पेमेंट भी की जा चुकी है।

रेवाड़ी। बीएमजी मॉल के पास स्थित एमआरएफ सेंटर, एमआरएफ सेंटर से कचरा लेकर जाता डंपर।

फोटो :हरिभूमि

घोटाले में शामिल आरोपियों पर कार्रवाई होगी

मॉडल टाउन थाना एसएचओ विद्यासागर ने बताया कि नगर परिषद और धर्मकांटा संचालक को नोटिस भेजा गया है। डंपर ड्राइवरों के नाम, पते, कूड़ा उठान का पुराना रिकॉर्ड व तोल की पर्चियों सहित सारा रिकॉर्ड मांगा गया हैं। घोटाले में शामिल सभी आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

महिला से साइबर ठगी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

- पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

साइबर थाना पुलिस ने एक महिला के साथ लगभग 1.41 लाख रुपये की ठगी करने के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ कर रही है।

गत 5 जनवरी को साइबर थाना पुलिस को दर्ज शिकायत में भाकली निवासी अंजू देवी ने बताया था कि 15 दिसंबर 2024 को उसके पास एक अनजान नंबर से फोन आया था। फोन करने वाले ने उसे बताया कि उसका एक पार्सल आया हुआ है। पार्सल काफी महंगा होने के कारण उसे 42 हजार रुपये टैक्स के देने होंगे। उसने बातों में आकर तीन बार में 42 हजार रुपये उसके बताए गए खाता नंबरों पर ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद उसे बताया गया कि उसने गलत खाता नंबरों पर पैसे डाले हैं। उसकी यह राशि उसे वापस मिल जाएगी, लेकिन उसे दूसरे नंबरों पर पैसे डालने होंगे। अंजू ने बताया था कि उससे लगातार फोन पर बात करते हुए झांसे में देकर 140900 रुपये विभिन्न बैंक खातों में ट्रांसफर करा लिए। पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू की थी। जांच के बाद पुलिस ने राजस्थान के दीवानपुरा जखा निवासी सचिन मीणा व संजीत मीणा को इस मामले में गिरफ्तार किया है। इन दोनों के खाते में ठगी की रकम ट्रांसफर कराई गई थी। पुलिस पूछताछ के बाद मुख्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में ठगी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

कंपनी की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का सामान चोरी

बावल। कसोला चौक के पास चोर एक कंपनी की दीवार तोड़कर लाखों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। सूचना मिलने के बाद कसोला पुलिस ने मौका मुआयना करते हुए चोरी का केस दर्ज कर लिया।

कंपनी के क्वालिटी मैनेजर यूपी के नरोली मथुरा निवासी अर्पित सेठ ने पुलिस शिकायत में बताया कि कंपनी के सिक्योरिटी इंचार्ज लुहारहेड़ी निवासी पवन ने उसे फोन पर बताया कि कंपनी की पिछली दीवार का एक हिस्सा टूटा हुआ है। इसके बाद वह मौके पर पहुंचा तो दीवार का कुछ हिस्सा टूटा हुआ था। चोर कंपनी से 38 पंच, 29 इंक जेट प्रिंटर, ग्राइंडर ब्लेड, केबलों के बंडल व काफी अन्य सामान चोरी कर ले गए।

चोरी की बाइक के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने हुडा बाईपास के पास चोरी की बाइक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। उनके खिलाफ सिटी थाने में अभियोग अंकित किया गया है।

पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान सेक्टर-7 के पास बाइक पर आ रहे दो युवकों से कागज दिखाने को कहा। दोनों ने कागज दिखाने से मना कर दिया। सख्ती से पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि यह बाइक चोरी की है। उन्होंने यह बाइक राजस्थान के भिवाड़ी से 10 हजार रुपये में खरीदी है। वह बाइक बेचने वाले के बारे में नहीं जानते। पूछताछ करने पर दोनों आरोपियों ने अपने नाम महेंद्रगढ़ के कनीना निवासी अंकित व चेतन बताए। बाइक को कब्जे में लेने के बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी।

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में बाइक चोरी के आरोपी। फोटो :हरिभूमि

बाजार में खरीदारी करने के लिए आई थी

महिला के बैग से पर्स चोरी करने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

सिटी पुलिस ने बाजार में एक महिला के बैग से पर्स करने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया। पुलिस शिकायत में मीरपुर निवासी शिवानी ने बताया था कि वह अपनी जेठानी के साथ घंटेश्वर मंदिर के पास बाजार में खरीददारी करने के लिए आई थी। दोनों ने बाजार से सामान खरीदा था। इसके बाद वह दुकानदार को पैसे देने लगी तो बैग की चेन खुली हुई थी। बैग से पर्स गायब मिला। बैग में उसके 20 हजार रुपये, नोज पिन, एटीएम कार्ड व अन्य दस्तावेज थे। उसने बैग से पर्स चोरी होने पर शोर मचाया तो दुकानदार ने सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक कराई। फुटेज में दो महिलाएं शिवानी को घेरे हुए नजर आएं, जिनमें से एक बैग से पर्स निकालते हुए देखी गई। शिवानी ने दुकानदार से फुटेज लेकर पुलिस को दी। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। जांच के बाद पुलिस ने गांव मांढैया निवासी सुशीला और परखोत्तमपुर निवासी निवासी वर्षा को गिरफ्तार कर लिया। उनके कब्जे से चोरी किया गया पर्स बरामद किया गया है। दोनों कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

चोरों ने दो दुकानों व एक मकान में लगाई सेंध

कुंड। माजरा में चोर दो दुकानों के ताले तोड़कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर ले गए। चोरों ने एक मकान में भी चोरी की वारदात को अंजाम दिया। थाना खोल पुलिस ने मौका मुआयना करने के बाद चोरी का केस दर्ज कर लिया।

चीताडूंगरा रोड पर परचून की दुकान चलाने वाले माजरा निवासी मुखत्यार सिंह ने पुलिस को दर्ज शिकायत में बताया कि वह रात के समय दुकान बंद करने के बाद घर चला गया था। सुबह जब वह दुकान पर आया तो शटर का ताला गायब मिला। चोर उसकी दुकान से इन्वर्टर, बैट्री, बीडी-सिगरेट के पुड़े व काफी अन्य सामान चोरी कर ले गए। उसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो पड़ोस में पंक्चर की दुकान चलाने वाले सुरेश ने बताया कि उसकी दुकान से भी चोर ताला तोड़कर टायर व ट्यूब चोरी कर ले गए हैं। इसी दौरान माजरा निवासी तारावंद ने बताया कि चोर उसके मकान से एक गैस सिलेंडर चोरी कर ले गए। वहां लगे सीसीटीवी कैमरे चेक करने पर मुंह पर कपड़ा बांधकर आए दो व्यक्ति चोरी करते हुए नजर आए, लेकिन उनकी पहचान नहीं हो सकी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

गांव नठेडा के शिव मंदिर में अभिनंदन समारोह का आयोजन

लेफ्टिनेंट बने हर्ष का गांव में किया अभिनंदन

- लेफ्टिनेंट हर्ष यादव परिवार का गौरव व युवाओं के लिए प्रेरणा
- युवाओं ने भी फूल मालाओं से हर्ष का स्वागत किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नाहड़

गांव नठेड़ा निवासी हर्ष यादव के सेना में लेफ्टिनेंट पद पर ज्वाइन करने और गौरव पदक से सम्मानित होने के उपलक्ष्य में गांव नठेडा के शिव मंदिर में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। लेफ्टिनेंट हर्ष यादव को बस स्टैंड कोसली से डीजे पर देशभक्ति के गीतों के साथ काफिले के साथ गांव के शिव मंदिर में लाया गया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता वीर कुमार यादव ने कहा कि हर्ष यादव ने न केवल अपने माता-पिता व गांव नठेड़ा सहित समूचे कोसली क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। गांव की मंदिर कमेटी ने लेफ्टिनेंट हर्ष यादव को सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया। गांव के सरपंच मनोज कुमार, जिला पार्षद जीवन हितैषी, मासटर ललित कुमार, बीआरसी राजेंद्र यादव, युवा नेता प्रमोद शास्त्री व संजय राव के नेतृत्व में युवाओं ने भी फूल मालाओं से हर्ष का स्वागत किया। सुबेदार महेंद्र व कमेटी के प्रधान रणबीर ने कहा कि लेफ्टिनेंट हर्ष यादव परिवार का गौरव और युवाओं के लिए प्रेरणा है। लेफ्टिनेंट हर्ष यादव के पिता राजेश कुमार व माता अर्चना देवी दोनों शिक्षक हैं। हर्ष बचपन से ही पढ़ाई में होनहार रहा है और सेना में जाना उसका बचपन से ही सपना था।

इस अवसर पर अनेक ग्रामीण व युवाओं सहित काफी संख्या में महिलाएं मौजूद थी।

रेवाड़ी। हर्ष यादव का सम्मान करते गणमान्य लोग। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि सहेली

रंगोत्सव विशेष

होली सिर्फ रंगों का पर्व नहीं है, यह जीवन में उत्साह-उमंग और नई खुशियां भरने वाला, रिश्तों में स्नेह-प्रेम के रंग सजाने वाला पर्व भी है। स्त्रियों के लिए तो यह पर्व और भी ज्यादा महत्व रखता है, क्योंकि वे परिवार-समाज में मधुरता बनाए रखने में विश्वास करती हैं, इस लिहाज से उनके लिए होली का पर्व बहुत अच्छा अवसर है।

होली लेकर आई खुशियों के रंग

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

होली के रंगों में जीवन का उल्लास होता है, तरंग होती है। इसीलिए फाग के गीत भी होंठों पर अनायास आ जाते हैं। कानों में ढोल-मंजीरे की झंकार गूंजने लगती है, लोग थिरक उठते हैं। आंखों के आगे अबीर, गुलाल उड़ने लगता है। होली में तन-मन रंगों से भीगकर सतरंगा हो जाता है। हम सौभाग्यशाली हैं, जो हमारे पास रंगों का एक ऐसा अनोखा और प्यारा पर्व है। लेकिन बात वास्तव में तब बनेगी, जब ऐसे रंगमय, स्नेहमय, प्रेममय और संगीतमय त्योहार की रंगत को हम जीवन में उतारें। अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सबको प्रेम के रंग में रंगकर दूसरों के साथ किसी प्रकार की कड़वाहटों और मनमुटाव को दूर करें। सबके प्रति सकारात्मक भाव रखें।

स्त्री जीवन है विविध रंगों की रंगोली

देखा जाए तो स्त्रियों का जीवन विविध रंगों से बनी एक खूबसूरत रंगोली है। क्योंकि इनकी दुनिया रंगों के खूबसूरत मेल से ही बनती है। मायका, ससुराल, परिवार, मातृत्व, रिश्ते-नाते, आस-पड़ोस और सामाजिक जिम्मेदारियां, ये सब स्त्री-जीवन के इंद्रधनुष में सजे रंग ही तो हैं, जिसे वे जीती हैं। हर रंग की अपनी अहमियत है, भूमिका है, चमक है। कोई एक रंग भी फीका पड़ जाए तो स्त्रियों के जीवन के साथ ही, परिवार के हर सदस्य पर इसका प्रभाव पड़ता है। हर किसी के जीवन में कठिनाइयां और पीड़ाएं आती हैं। इसलिए स्त्री अपने जीवन के इंद्रधनुषीय रंगों को सहेजकर रखती है। हर हाल में उसकी चमक बनाए रखने की कोशिश करती है। फिर चाहे आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़ा स्वावलंबन का रंग हो या फिर घर के बड़े-बुजुर्गों की सेवा का रंग, स्त्री कभी पीछे नहीं हटती है। रंगों से मिलने वाली ऊष्मा को स्त्री स्वयं तो धारण करती ही है, अपने परिवार के सदस्यों को आपस में जुड़ने का मार्ग भी प्रशस्त करती चलती है।

साथ का महत्व बताती है होली

होली का त्योहार हमारे जीवन में व्याप्त सारी कड़वाहटों को दूर करने के लिए आता है। यह पर्व हमें परिवार के साथ का असली महत्व बताता है। जब परिवार की सारी स्त्रियां, पुरुष और बच्चे मिलकर गुझिया, मिठाइयां, पापड़, नमकीन बनाते हैं। घर की स्त्रियां साथ मिलकर होली पूजन के लिए जाती हैं, एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए रंग-गुलाल लगाती हैं, तभी होली अपने असली मधुर रूप में दिखती है। इस तरह सबके साथ स्नेह-प्रेम के रंग में भीगने के बाद स्त्री-पुरुष हर कोई मन की सारी कड़वाहट भूल जाता है। परिवार, आस-पड़ोस में हुए मनमुटाव, तनातनी सब रंगों में धुल जाते हैं। जीवन की परेशानियों से मुकाबला करने के लिए हम नई ऊर्जा से सराबोर हो उठते हैं। हंसता-गाता मन, जीवन जीने के लिए हमारे भीतर नई उमंगें भर देता है। इसी को तो कहते हैं जीवन में विविध रंग भरने वाली होली, अपनेपन के अहसास से भरने वाली होली।

कम न हो खुशियों की बौछार

होली के रंग जीवन में उजास भरते हैं। हम स्त्रियों का रंगों से इस उजास को जीवन में उतारना बहुत जरूरी है। कारण, वर्तमान समय में एक स्त्री की भूमिका बहुत विस्तृत हो चुकी है। इसलिए उसे तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में एक स्त्री के लिए अपने मन को सकारात्मक विचारों के रंग से सराबोर रखना, जीवन में उल्लास की रंगीन बौछारों की नमी बनाए रखना, परिवार में उमंग-तरंग बनाए रखना बहुत जरूरी है। जीवन में हर्ष और अपनों के बीच आत्मीयता का भरपूर रंग हो तो जीवन हंसी-खुशी कट जाता है, जिंदगी आसान हो जाती है। बाधाएं हमें आगे बढ़ने से रोक नहीं पातीं। ऐसे में खुशियों को सेलिब्रेट करने के मौके बार-बार आते हैं। परिवार के हर सदस्य का जीवन, तरह-तरह के रंगों में रंगकर खूबसूरत और जीवंत हो जाता है।

खुशियों के रंग कभी न हों फीके

उड़ता गुलाल और रंगों में रंगे खिलखिलाते चेहरों को देखकर हर किसी का मन खुशी से झूम उठता है। अपनी रोज-रोज की नीरस दिनचर्या से ऊबी घर की स्त्रियां होली के बहाने ही सही, थोड़ी मस्ती, थोड़ा धमाल करके हंसी की फुहारों से तरोताजा हो जाती हैं। दरअसल, होली बचपन के खिलंदड़ेपन को फिर से जीने का अहसास है। यह अहसास मन में जीने की उमंग भरता है। तभी तो होली के रंग आज भी उतने ही चटख हैं, जितने पहले हुआ करते थे। होली का संदेश भी यही है कि हमारे जीवन में खुशियों के रंग कभी फीके न हों।

आइए, हम भी होली के अवसर पर प्रेम-स्नेह की रंगी फुहारों में भीगकर उमंगित-तरंगित हों, जीवन में नए रंग भरें। सबको होली की शुभकामनाएं...

रंगों को समझें रंगों में उतरें

होली पर्व का निहितार्थ देखा जाए तो बहुत गहरा है। यह पर्व यही कहता है कि दूसरे के रंगों में रंगने के साथ उनको अपने रंग में भी रंगो। मतलब हम एक-दूसरे को आत्मसात करें, रंगों के बहाने अपने रिश्तों में प्रेम-स्नेह घोलें, प्रगाढ़ बनाएं। होली का पर्व हमें प्रकृति से भी जोड़कर हमारे जीवन में उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है।

पर्व निहितार्थ

चेतना झा

अंबर ने ओढ़ी है तन पर चादर नीली-नीली/ हरित धरित्री के आंगन में सरसों पीली-पीली/ सिंदूरी मंजरियों से है अंबा शीश सजाए/ रोलीमय संध्या ऊषा की चोली है/ तुम अपने रंग में रंग लो तो होली है।

हरिवंश राय बच्चन की ये कितनी सारगर्भित पंक्तियां हैं। कभी अपने रंग को पहचानना तो कभी औरों के रंग में रंग जाना, कभी अपने रंग में सराबोर कर देना, जिंदगी की सार्थकता इसी में है। होली तो बहाना है, रंगों को समझने का, रंगों में उतरने का।

प्राकृतिक रंगों का आनंद: कभी काम का बहाना तो कभी समस्याओं का रोना, सच तो यह है कि सूर्योदय-सूर्यास्त के समय धरती-आसमान के सुंदर रंगों से हम अंजान हो रहते हैं। प्रकृति ने कितने खूबसूरत रंगों से सजा रखी है धरती। कहीं दूर तक नीला आसमान, तो कहीं पेड़ों की हरितिमा। पक्षियों के पंखों से फूलों की पंखुड़ियों तक कितने सुंदर और विलक्षण रंग हैं। पलाश-टेसू से ट्यूलिप-यलो एलडर तक। प्रकृति के कैनवस पर फैले इन रंगों को समझने, उस पर मुग्ध होने के लिए दौड़ती-भागती जिंदगी में कुछ पल ठिठकना जरूरी है। रंगों का त्योहार होली हमें यही संदेश देता है। इस साल हम कुछ इसी संकल्प के साथ मनाएं होली कि जिंदगी से प्रकृति के रंगों को दूर नहीं होने देंगे। अपनी जिंदगी में रंग बटोरेंगे तो अपनों की जिंदगी में भी रंग बिखेरेंगे। कभी थोड़ा ठहर कर किसी अनजान की उदास जिंदगी में भी चुटकी भर रंग भरने की कोशिश करेंगे हम। यकीनन ये रंग हमारी जिंदगी में सुकून बिखेरेंगे।

समझें रंगों का अर्थ: रंगों का हमारे दिलोदिमाग पर कितना असर पड़ता है, यह विज्ञान साबित कर चुका है। प्रकृति का हर रंग कुछ कहता ही नहीं, बहुत कुछ करता भी है। जैसे सफेद रंग को ही लें तो यह शांति की बात कहता है। अगर परिवेश में सफेद रंग की कमी होती है तो अशांति पसरती है। उसी तरह लाल रंग जोश-उमंग का रंग है। लाल वस्त्र पहने लोग आम लोगों की अपेक्षा खुद के भीतर अधिक जोश का आभास करते हैं। रंगों के जानकारों का कहना है कि परिवेश में लाल रंग की कमी आलस्य और जड़ता को जन्म देती है। अगर आपको क्रोध अधिक आता है तो अपने कपड़ों, दीवारों के रंग, चादर, पर्दों के रंगों में नीला रखिए। रंग विशेषज्ञों का कहना है कि नीले रंग की कमी से क्रोध अधिक आता है। उपाय भी बताते हैं कि शांत जगह पर आंखें बंद कर बैठ जाएं और अनुभव करें कि चारों ओर नीलिमा फैली है। दूर तक फैले नीले आसमान को बंद आंखों से मुग्ध होकर निहारिए। यकीनन मन को शांति-सुकून मिलेगा।

रिश्तों को करें तरोताजा: जीवन में होली का महत्व कई रंगों से सजा है। यह उत्सव सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को तरोताजा करने का एक खूबसूरत बहाना है। देखिए न, होली पकवानों को बनाने और अपनों को खिलाने का त्योहार है। मिलने-मिलाने का त्योहार है। निर्मल होकर दूसरों के रंग में रंगने और खुद के रंग से दूसरों को सराबोर कर देने का खूबसूरत मौका है। तो इस होली बचपन की तरह निर्मल होकर उत्सव मनाने का प्रयास करें। खाना-खिलाना तो अपनी जगह है, अबकी बचपन की तरह जी भर के रंग खेल कर देखिए। निराशा परे छटेगी। हताशा पर उमंग का रंग चढ़ेगा। यकीनन, आपके भीतर एक नई ऊर्जा भरेगी। रंग खेलने से केवल आपका शरीर ही रंगों से सराबोर नहीं होता, भीतर भी रंग हमारे आवेगों और मन को तरंगित करते हैं।

हेयर केयर

ललिता गोयल

तब रंगों से आपके बाल नहीं होंगे खराब

होली पर रंगों से खेलने में मजा तो खूब आता है। लेकिन अगर सावधानी न बरती जाए तो रंग खेलने के बाद बालों से रंग छुड़ाने में बहुत परेशानी होती है। इससे बालों को बहुत नुकसान भी होता है। आजकल मार्केट में मिलने वाले रंग और गुलाल में कई केमिकल्स मौजूद होते हैं, जिससे बाल रूखे-बेजान हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि होली खेलने से पहले बालों की सही तरीके से केयर की जाए।

प्रॉपर ऑयलिंग: इस बात का ध्यान रखें कि होली पर रंग खेलते समय आपके बाल सूखे न रहें। दरअसल, मार्केट में मिलने वाले अधिकतर रंगों में केमिकल मिले होते हैं। ऐसे रंग अगर सूखे बालों में पड़ जाएं तो इससे वो कमजोर होने लगते हैं। इसलिए अपने बालों को नुकसान होने से बचाने के लिए सरसों, बादाम, जैतून या नारियल का तेल जरूर लगाएं। होली खेलने से एक घंटे पहले बालों में तेल लगाएं। इससे स्कैल्प के ऊपर एक प्रोटेक्टिव लेयर बन जाती है, बालों को पोषण मिलता है और स्कैल्प में कलर्स एब्जॉर्ब भी नहीं होते हैं। इससे रंग खेलने के बाद शैंपू करने पर आसानी से रंग निकल जाता है। बालों को खराब होने से बचाने के लिए तेल घर पर भी बनाया जा सकता है। यह तेल गुड़हल के फूल, नारियल तेल और लौंग को मिलाकर पकाकर बनाया जाता है। इस तेल से मसाज करने से बालों की कंडीशनिंग होती है, जड़ें मजबूत होती हैं।

बांधकर रखें: होली खेलते समय बालों को खुला ना छोड़ें। खुले बालों में रंग ज्यादा एब्जॉर्ब होता है, जिससे सिर की त्वचा पर एलर्जी हो सकती है।

ढंककर रखें: होली खेलने से पहले बालों को बांधने के साथ कैप लगा लें। स्कार्फ या दुपट्टे से भी बालों को ढंक सकती हैं। ऐसा करने से स्कैल्प डैमेज नहीं होगा और स्किन तक कलर नहीं पहुंचेगा। इससे बालों को एक्स्ट्रा प्रोटेक्शन भी मिलेगी।

होली पर रंग खेलने से पहले ही नहीं रंग खेलने के बाद भी बालों की देखभाल की जरूरत होती है।

शैंपू-कंडीशनर लगाएं: रंग, बालों को रूखा और बेजान करते हैं। इसके साथ ही केमिकल वाले रंग से सर की स्किन पर एलर्जी या ड्राइनेस हो सकती है। इससे बचने के पहले बालों को साफ पानी से अच्छी तरह धोएं और उसके बाद केमिकल फ्री शैंपू का इस्तेमाल करें। इससे ऊपरी परत से रंग हट जाएगा। इसके बाद शैंपू करें और फिर कंडीशनर लगाएं। इससे बालों में लगा रंग हट जाएगा। अगर सूखे रंगों से होली खेली है तो खेलने के बाद बालों को ब्रश कर लें।

(हेयर एक्सपर्ट डॉ. महिमा से बातचीत पर आधारित)

भावनाएं

पिया के संग पहली होली

शादी के बाद पिया के संग पहली होली का अहसास बहुत ही प्यारा होता है। अगर परिवार का भी साथ हो तो ये अहसास और ज्यादा प्यारे और मधुर हो जाते हैं। फिल्म एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और अंकिता लोखंडे **सहेली** को बता रही हैं, शादी के बाद उनकी पहली होली कैसी रही? साथ ही यह भी बता रही हैं कि इस बार उनकी होली पर क्या स्पेशल प्लानिंग है?

विक्की ने जब मुझे फूलों से बने रंगों से रंग दिया था : अंकिता लोखंडे

शादी से पहले मैं जितनी सीरियस रहती थी, विक्की से शादी होने के बाद उतनी ही मस्तीखोर हो गई हूं। अगर मैं कहूं कि फिल्मी अदाओं के साथ मस्ती-मजाक करती हूं तो कहना गलत नहीं होगा। मेरे पति विक्की ने मुझे इतना प्यार और सम्मान दिया कि मैं अपने आपको राजकुमारी समझती हूं। शादी के बाद पहली होली मैंने अपने ससुराल बिलासपुर में मनाई थी। वहां बहुत ही रीति-रिवाज के साथ होली का पर्व मनाया जाता है। उस वक्त मेरे लिए यह सब बहुत ही नया था, लेकिन मेरी सासू मां और ससुराल वालों ने मुझे इतना प्यार दिया कि मेरे लिए वह होली यादगार हो गई। खासतौर पर विक्की ने मुझे फूलों से बने रंगों से रंग दिया था। शादी के बाद पहली होली मैंने विक्की के साथ फुल रोमांटिक स्टाइल में मनाई थी, यह होली मेरे लिए सबसे यादगार रही। क्योंकि विक्की भी मुझसे बहुत प्यार करते हैं, इसलिए होली पर उन्होंने मुझे रंग लगाने और मेरे नखरे उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आज भी हम लोग होली बहुत जोरदार ढंग से मनाते हैं। विक्की को पार्टी का बहुत शौक है। इसलिए वह हर होली पर स्पेशल पार्टी का अरेंजमेंट करते हैं, जिसमें हमारी फैमिली वाले और सारे दोस्त शामिल होते हैं। इस साल भी हम होली को धूमधाम से मनाएंगे। अबकी हम होली दो बार मनाएंगे, एक तो कलर्स के कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर, दूसरी अपने घर पर।

पूरे परिवार के साथ धूमधाम से मनाएंगे होली : कियारा आडवाणी

होली का त्योहार मेरे लिए किसी बड़े जश्न से कम नहीं है। फरवरी में हमारी शादी हुई थी। उसके अगले महीने ही मार्च में होली का त्योहार था, जो मैंने अपने ससुराल और पति के साथ मनाया था। होली की सुबह मैंने सबसे पहले सिद्धार्थ को रंग लगाया था, वह भी तब जब वह गहरी नींद में सो रहे थे। सिद्धार्थ ने उठने के बाद जब अपने चेहरे पर रंग लगा देखा तो उन्हें समझते देरी नहीं लगी कि यह रंग मैंने ही लगाया है। इसके बाद उन्होंने भी मुझे रंग दिया। उस दिन मैंने और सिद्धार्थ ने बहुत जमकर होली खेली थी। इस साल भी हम पूरे परिवार के साथ धूमधाम से होली मनाएंगे। मैं और सिद्धार्थ होली के मौके पर एक अच्छी पार्टी अरेंज करेंगे, जिसमें हमारे दोस्त और रिश्तेदार शामिल होंगे।

प्रस्तुति : आरती सक्सेना

डाइट सजेशन

डॉ. अदिति शर्मा
न्यूट्रिशनिस्ट-कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल, एनसीआर

होली के अवसर पर तरह-तरह के व्यंजन खाए-खिलाए जाते हैं। लेकिन डाइट को लेकर कॉन्शस रहना जरूरी है। जरा सी लापरवाही से आप बीमार भी हो सकती हैं। किन बातों का रखें ध्यान, जानिए।

होली के उमंग में डाइट का रखें ध्यान

होली के मौके पर लोग खूब खाते-पीते हैं, खुशियां मनाते हैं। लेकिन इस दौरान खान-पान में होने वाली जरा-सी लापरवाही आपकी हेल्थ को बिगाड़ सकती है। ज्यादा मिर्च-मसाले और घी-तेल वाले व्यंजन खाने से एसिडिटी, फूड प्वॉइजनिंग, ब्लड शुगर और बीपी बढ़ने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं। इसलिए होली के अवसर पर यह बहुत जरूरी है कि खान-पान के मामले में आप पूरी सजगता बरतें और संतुलित आहार लें।

तला-भुना और मीठा खाने से बचें: होली के अवसर पर लोग गुझिया, पकौड़े, कचौरी, मिठाइयां और मैदे से बने व्यंजन खूब खाते हैं। इससे अपच, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से कई बार कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ जाता है। अधिक मीठे के सेवन से शुगर लेवल भी बढ़ सकता है। इन समस्याओं से बचने के लिए ऐसी गरिष्ठ चीजों का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

देर तक खाली पेट न रहें: त्योहार के दौरान काम की व्यस्तता की वजह से कई महिलाएं लंबे समय तक खाली पेट रहती हैं। इससे उन्हें गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए कुछ घंटे के अंतराल पर नट्स, ड्राई फ्रूट्स और भुने चने जैसे हेल्दी स्नैक्स खा सकती हैं। भुने मखाने का सेवन भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए त्योहार के दौरान काम-काज के बीच जब भी हल्की भूख लगे, तो समय निकाल कर भुने मखाने का सेवन कर सकती हैं।

पर्याप्त मात्रा में पीएं पानी: होली के अवसर पर अधिकतर लोग तली-भुनी चीजें तो अधिक मात्रा में खाते हैं, पर उस अनुपात में पानी नहीं पीते हैं। इससे उनका शरीर डीहाइड्रेट हो जाता है। इस समस्या से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पीएं। पानी के अलावा आप जूस, छाछ, लस्सी, नीबू पानी जैसे तरल पदार्थ का सेवन भी कर सकती हैं। फलों का जूस भी पी सकती हैं।

तेल-घी दोबारा न करें यूज: त्योहार के अवसर पर कुछ भी डीप फ्राई करना हो तो उसके लिए कड़ाही में उतना ही तेल या घी डालें, जिससे तलने के बाद वो खत्म हो जाए। एक बार फ्राई के लिए यूज किए गए तेल को बार-बार गर्म करके उसका यूज करने से उसमें कार्बन मोनोऑक्साइड नामक गैस बनती है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। इसलिए तेल या घी का दोबारा यूज न करें।

होली के दौरान खान-पान के मामले में अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगी तो आप और आपकी फैमिली को हेल्थ संबंधी कोई प्रॉब्लम नहीं होगी।

प्रस्तुति: विनीता

इन बातों का रखें ध्यान

- त्योहार के दौरान बाजार में मिलावटी डिशेज भी मिलती हैं, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक होती हैं। बाजार से रेडीमेड डिशेज खरीदने के बजाए, घर पर ही बनाएं।
- एल्कोहल, भांग जैसी नशीली चीजों से दूर रहें। इनके बजाए, लस्सी, ठंडाई, कांजी पिएं। ये पाचन के लिए भी फायदेमंद होते हैं।
- कई बार लोग लापरवाही में रंग लगे हाथों से खाना शुरू कर देते हैं। इससे फूड पॉइजनिंग का खतरा रहता है। ऐसी समस्या से बचने के लिए कुछ भी खाने से पहले अच्छी तरह हाथ धोना न भूलें।
- अगर आपने दिन में ज्यादा खा लिया है तो रात को सूप, सलाद और सैंडविच जैसी हल्की-फुल्की चीजों का ही सेवन करें।

खबर संक्षेप

रेवाड़ी। श्याम भक्तों को पानी की सेवा देते हुए युवक।

श्याम भक्तों को पिलाया जल जीरा व पानी

रेवाड़ी। फाल्गुन माह में खाटूधाम में श्री श्याम बाबा के दर्शनों के लिए प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु निशान लेकर जा रहे हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पैदल हुड़याि जैतपुर धाम व खाटूधाम के लिए जा रहे है। डीके रियल एस्टेट की ओर से पैदल जाने वाले श्रद्धालुओं को जल जीरा व पानी की सेवा दी जा रही है। सोमवार को रियल एस्टेट से डीके यादव व राकेश शर्मा, हरिद्वत, रविदत, रोहित, रितिक, सूबे सिंह, नयन, कुनाल, गौरव, कुलदीप, दिलकुश, विजय, प्रकाश, योगेश, नवीन व मंदीप ने श्रद्धालुओं को पानी पिलाकर राहत दी।

बाबा मुक्तेश्वर मठ का फाग उत्सव आज से

कोसली। कोसली गांव में बाबा मुक्तेश्वर पुरी मठ की ओर से होली पर्व के अवसर पर परंपरा अनुसार फॉग व खेल-उत्सव का आयोजन किया जाएगा। बाबा मुक्तेश्वरपुरी ट्रस्ट के महासचिव संजय कुमार यादव ने बताया गया कि 11 मार्च को महिलाओं व बुजुर्गों की खेल प्रतियोगिता होगी, जिसमें रस्साकसी, छोटी दौड़, मटकी दौड़, नींबू-चम्मच दौड़ व म्यूजिकल चेयर प्रतियोगिता होगी। 12 व 13 मार्च को कबड्डी, वालीबॉल व 14 मार्च को फाइनल मुकाबला व पुरस्कार वितरण होगा। खेल उत्सव में कोसली क्षेत्र के 19 गांवों को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने बताया कि पुरूषों की कबड्डी नेशनल स्टाइल व वालीबॉल स्मेशिंग खेल में प्रथम विजेता को 15 हजार, द्वितीय को 10 हजार तथा तृतीय को 5 हजार रुपए की राशि पुरस्कार में दी जाएगी।

खाटू श्याम मेले के लिए स्पेशल ट्रेन 16 से

रेवाड़ी। रेलवे की ओर से खाटू श्यामजी मेले में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन किया जा रहा है। उत्तर पश्चिम रेलवे के सीपीआरओ कैप्टन शशि किरण ने बताया कि गाड़ी संख्या 09733 जयपुर-भिवानी स्पेशल ट्रेन 16 मार्च से 31 मार्च तक जयपुर से सुबह 7बजे रवाना होकर दोपहर 2:20 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09734 भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा 16 मार्च से 31 मार्च तक भिवानी से शाम 4:05 बजे रवाना होकर रात 11:25 बजे जयपुर पहुंचेगी। इस रेलसेवा में 9 साधारण श्रेणी व 2 गार्ड डिब्बों सहित कुल 11 डिब्बें होंगे। यह ट्रेन ढेहर का बालाजी, नींदड़ बैनाड, चौमू सामौद, गोविंदगढ़ मलिकपुर, रींगस, श्रीमाधोपुर, कावंट, नीम का थाना, माउंडा, डाबला, निजामपुर, नारनौल, अटेली, कुंड, रेवाड़ी, कोसली, झाड़ली व चरखी दादरी स्टेशनों पर ठहराव करेगी।

ऑनलाइन टास्क के नाम पर बनाया शिकार

रेवाड़ी। नंदरामपुर बास की एक महिला को साइबर ठगों ने ऑनलाइन टास्क के नाम पर लगभग 3 लाख रुपये की ठगी का शिकार बना दिया। साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज करने के बाद जांच शुरू कर दी। अकाउंटेंट का कार्य करने वाली सुषमा ने पुलिस शिकायत में बताया कि उसके पास ऑनलाइन टास्क के बदले मोटा पैसा कमाने का मैसेज आया था। शुरू में उसके खाते में 205 रुपये डाले गए। इसके बाद टास्क रिव्यू करने के लिए उससे 7777 रुपये जमा कराए। यह राशि वापस पाने के लिए उससे बार-बार पैसे डलवाए गए। उसने कई ट्रांजेक्शन के जरिए 93500 रुपये अपने खाते से और 2 लाख रुपये अपनी मां के खाते से ट्रांसफर कर दिए। रकम वापस लेने के लिए उससे और पैस डालने को कहा गया, तो उसे ठगी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने उसकी शिकायत पर केस दर्ज करने के बाद उन खातों का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए।

शुभ मुहर्त पर पूजन के साथ जलाई जाएगी होली

हर गांव में तैयार हो रही होलिका, वीरवार शाम को किया जाएगा दहन, बाजारों में रौनक बढ़ी

इंधन एकत्रित करते हुए युवाओं ने तैयार की गांवों में होलिका, हर तरफ होली का उत्साह

- रंगों के त्योहार होली को लेकर सजने लगे बाजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। दिदोली गांव में दहन के लिए तैयार की गई होलिका व सेक्टर-1 में दहन के लिए तैयार की गई होलिका। फोटो : हरिभूमि

बुराई पर अच्छाई की जीत के रूप में मनाया जाने वाला होली पर्व इस बार 13 मार्च को मनाया जा रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं और बच्चों ने कई दिनों से ऱ्इंधन एकत्रित करते हुए होलिका बनाने का कार्य शुरू किया हुआ था। अब ऱ्इंधन एकत्रित करके बनाई गई होलिका की पूजा करने के बाद उसका दहन किया जाएगा। होली के पर्व से अनेक किवदंतियां जुड़ी हुई हैं। माना जाता है कि प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नाम का एक अत्यंत बलशाली असुर था। अपने बल से वह स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा था। उसने अपने राज्य में ईश्वर का नाम लेने पर भी पाबंदी लगा दी थी। हिरण्यकशिपु का पुत्र प्रह्लाद ईश्वर भक्त था। प्रह्लाद की ईश्वर भक्ति से नाराज होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक कठोर दंड दिए थे, परंतु उसने ईश्वर की भक्ति का मार्ग नहीं छोड़ा था। कहा जाता है कि हिरण्यकशिपु की बहन होलिका को वरदान प्राप्त था कि वह आग में भस्म नहीं हो सकती। हिरण्यकशिपु ने आदेश दिया कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर आग में बैठे। आग में बैठने पर होलिका तो जल गई, पर प्रह्लाद बच गया। ईश्वर भक्त प्रह्लाद की याद में तभी से होली जलाई जाती है। होली जलाने के लिए युवा और बच्चे करीब एक सप्ताह पहले ही डंडा गड़ने के बाद होलिका दहन के लिए निर्धारित स्थान पर ऱ्इंधन व ऊपले एकत्रित करना शुरू कर देते हैं। रात के समय खेल-खेल में ऱ्इंधन एकत्रित करने का कार्य किया जाता है। खेतों और प्लॉटों से ऱ्इंधन उठाया जाता है। इसके बाद ऱ्इंधन के ढेर को होलिका के रूप में तैयार किया जाता है। दिन के समय महिलाएं इसकी पूजा करती हैं। शाम को होलिका दहन किया जाता है। रंग-गुलाल व पिचकारियों की दुकानें भी सजनी शुरू हो गई हैं। मिष्ठान भण्डारों पर होली का विशेष व्यंजन गुंजिया ने भी अपनी खुशबू बिखेरनी शुरू कर दी है। शहर के मुख्य मोती चौक बाजार सहित मॉल में भी होली पर्व की चहल-पहल शुरू हो चुकी है

धुलेंडी पर मेलों की रहती है धूम

धुलेंडी पर्व पर ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम देवताओं के मंदिरों में मेलों का आयोजन किया जाता है। जिले के 70 फीसदी से अधिक गांवों में धुलेंडी पर्व के दिन मेले लगेंगे। इन मेलों में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन भी होगा। निमोठ में बाबा बिशनदास मंदिर, सीहा में बाबा रामस्वरूप दास मंदिर, भाड़ावास में बाबा मोहनदास मंदिर सहित कई प्रचीन मंदिरों में लगने वाले मेलों में कुश्ती दंगल व अन्य खेल प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। इन मेलों के दौरान मंदिरों में प्रसाद वितरण के लिए भंडारे भी लगाए जाएंगे। इसके लिए मंदिरों को खास तौर पर सजाया गया है।

रेवाड़ी। बाजार में दुकान पर सजी पिचकारियां। फोटो : हरिभूमि

रेवाड़ी। होली के गीतों पर डांस करते समाज के लोग।

अग्रवाल सभा ने हर्षोल्लास से मनाया होली उत्सव

रेवाड़ी। अग्रवाल सभा की ओर से गढ़ी बोलनी रोड़ स्थित अग्रवाल भवन में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। अग्रवाल सभा के प्रधान रिपुदमन गुप्ता ने महाराजा अग्रसेन को नमन कर अतिथियों को चंदन का तिलक लगाया और होली पर्व की शुभकामनाएं दी। समारोह में अग्रवाल समाज के उपप्रधान एडवोकेट राकेश गुप्ता, सचिव राजीव अग्रवाल, सह सचिव संदीप गोयल, कोषाध्यक्ष प्रेम प्रकाश भालखी वाले, ब्रिज लाल गोयल, नगर पार्षद राजेंद्र सिंहल, रमेश मित्तल, आलोक सिंहल, लाला मुकेश अग्रवाल भट्टेवाला, भाजपा के वरिष्ठ नेता दीपक मंगला, गिरीश सिंगला, दिनेश गोयल डिंको, राकेश गर्ग, सोनू अग्रवाल, राजेंद्र अग्रवाल, राजेंद्र अर्जीनविस, मुकेश महाजन, मुकेश गुप्ता, सुरेश गोकलगढ़िया, अरुण गुप्ता, मुकेश एरन व रत्नेश बंसल के अलावा महावार समाज के प्रधान एन के गुप्ता, नवल किशोर गुप्ता, खंडेलवाल समाज के प्रधान सुरेन्द्र खंडेलवाल, सह सचिव दीपक खंडेलवाल व रुस्तगी समाज के पूर्व प्रधान कुलदीप रुस्तगी समाज के अनेक लोग मौजूद थे।

जिला रेडकास सोसायटी का

दिव्यांग जांच शिविर 11 व 13 को हेमचन्द्र विक्रमादित्य हाल में

एजेंसी ⏭ रेवाड़ी

- 50 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हो तो वह लाभ उठा सकता है

जिला रेडकास सोसायटी व भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम कानपुर तथा सहायक उत्पादन केंद्र नई दिल्ली के सहयोग से जिले के दिव्यांगजनों के लिए 11 मार्च व 13 मार्च को मॉडल टाउन स्थित हेमचन्द्र विक्रमादित्य हाल में दिव्यांग जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर में शारीरिक तौर पर 50 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगजनों को मोटरराईजड देने के लिए आवश्यक जांच व फार्म भरने की औपचारिकताएं मौके पर ही पूरी की जाएगी। जिला रेडक्रॉस सचिव महेश गुप्ता ने बताया कि अगर कोई 50 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग हो तो वह शिविर का लाभ उठा सकता है। शिविर में आने वाले दिव्यांगजनों को अपना आधारकार्ड, राशनकार्ड, फैमिली आईडी, दिव्यांगता प्रमाण पत्र की फोटो कापी,अपनी दिव्यांगता दर्शाते दो फोटो तथा यूडीआईडी कार्ड साथ लाना अनिवार्य है।

लायंस क्लब ने गाए होली पर्व के पावन गीत

- लायंस क्लब की ओर से मॉडल टाउन स्थित लायंस भवन में फाग उत्सव मनाया गया।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में मौजूद क्लब की महिला सदस्याएं। फोटो : हरिभूमि

लायंस क्लब की ओर से मॉडल टाउन स्थित लायंस भवन में फाग उत्सव मनाया गया। क्लब की सभी वरिष्ठ महिला सदस्यों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लायन पूजा भार्गव ने सभी महिलाओं का स्वागत किया और सभी को उपहार देकर सम्मानित किया। सुपर वुमन का चयन लकी ड्रॉ के माध्यम से किया गया, जिसकी विजेता गीता रही। मानवी भारद्वाज ने होली के गीतों ने समां बांधा। जय अम्बे मंडली द्वारा होली के लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। क्लब की सभी महिला सदस्यों में गीत और नृत्य का आनंद लिया और फूलों की होली खेली। लायन कल्पना गुप्ता ने मंच संचालन किया। क्लब के प्रधान लायन रितेश भार्गव ने सभी को होली की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर लायन बनवारीलाल अग्रवाल, लायन अनिल भार्गव, लायन विपिन भार्गव, लायन हेमंत सिंहल, लायन ओपी गुप्ता, लायन जितेश गोयल, लायन सचिन गुप्ता, लायन अनिल गोयल, लायन संदीप गोयल, लायन राकेश गर्ग, लायन मोहित गोयल, लायन अभिषेक गुप ्ता, शीला देवी, सुषमा गुप्ता, राजरानी गोयल, तृप्ति भार्गव, सत्यवती सिंहल, संतोष गुप्ता, सीमा सिंहल व पल्लवी अग्रवाल मौजूद रही।

सुठाना में टीबी उन्मूलन जागरूकता कार्यकम के तहत किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। लोगों को टीबी के प्रति जागरूक करते हुए।

सोमवार को आयुष विभाग की ओर से गांव सुठाना में टीबी उन्मूलन अभियान के तहत जागरूकता कार्यकम आयोजित किया गया। टीबी जैसी बीमारियों से बचने के लिए उचित खानपान की आदतें अपनाना, शराब तथा धूम्रपान जैसी विभिन्न प्रकार की लतों से दूर रहना कार्यक्रम का विषय था। आयुष्मान आरोग्य मन्दिर में एएमओ डा. सुमित कुमारी व औषधालय के कर्मचारियों ने लोगों को टीबी के लक्षण, बचाव और उपचार के बारे में बताया। जिला प्रशासन की ओर से दो जागरूकता वैन भी चलाई गई है, जिसका उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों को टीबी बीमारी के प्रति जागरूक करना तथा टीबी ग्रस्त मरीजों के इलाज के बारे में सलाह देना है। वर्ष 2025 तक भारत को टीबी मुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी के साथ विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। टीबी रोगियों की पोषण संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय टीबी उन्मूलन कार्यक्रम के तत्वावधान में निक्षय पोषण योजना शुरू की गई है। केंद्र व प्रदेश सरकार इस बीमारी से पीड़ित लोगों को निःशुल्क निदान, निःशुल्क दवाइयां और अन्य कई प्रकार की सहायता प्रदान कर रही है।

जल शक्ति अभियान के लक्ष्य प्राप्ति की दिशा में गंभीरता से कार्य करें : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। अधिकारियों की बैठक लेते हुए डीसी अभिषेक मीणा।

डीसी अभिषेक मीणा ने सोमवार को जल शक्ति अभियान से जुड़े अधिकारियों को लक्ष्य प्राप्ति की दिशा गंभीरता से कार्य करने के दिशा निर्देश दिए। जल शक्ति अभियान 2024 के तहत जिले में हुए कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत उन्होंने लंबित कार्यों को त्वरित गति और उच्च गुणवत्ता के साथ सम्पन्न करवाने बेहतर करने की हिदायत दी। जल शक्ति अभियान का मुख्य उद्देश्य पानी की बचत व अतिरिक्त पानी का संग्रह करना है, ताकि भूमिगत जल स्तर ऊंचा उठ सकें। डीसी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस महत्वकांक्षी अभियान की शुरूआत की है और हम सबको इस अभियान में अपना पूरा सहयोग देना होगा। विशेषकर पंचायत और सिंचाई विभाग को बेहतर तालमेल के साथ निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करना होगा। अभी तक जल शक्ति अभियान के 75 कार्य पूरे हुए हैं। डीसी ने जिलावासियों से भी अपने परिवार, मित्रों और आस-पड़ोस के लोगों को जल के विवेकपूर्ण उपयोग और उसे व्यर्थ न बहाने के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

जुआ खेलने के आरोप में 10 लोग गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ धारूहेड़ा

रेवाड़ी। पुलिस गिरफ्त में जुआ खेलने के आरोपी। फोटो : हरिभूमि

थाना धारूहेड़ा पुलिस ने हरिनगर गांव के एक ट्यूबवेल के पास ताश के रूप में जुआ खेलते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से ताश के पत्ते व जुए की राशि बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ लोग हरिनगर निवासी लालसिंह के ट्यूबवेल के पास ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां 9 लोग जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने सभी आरोपियों को मौके पर ही काबू कर लिया। काबू किए गए आरोपियों में राजस्थान के पारनिया निवासी हितेश कुमार, राजस्थान के खातीपुरा निवासी रामभरोसी, धारूहेड़ा की एमटके सोसायटी निवासी सुरेंद्र पाल, यूपी के हिलालपुर मसीजा निवासी सुग्रीव, यूपी के उतर निवासी आनंद देव, दिल्ली के राजौरी गार्डन निवासी मृत्युंज्य, यूपी के बल्लामपुर बेरठी निवासी अनवर अली, हेलीकॉप्टर गली धारूहेड़ा निवासी कृष्ण त्यागी, नूंह के खोरी कलां निवासी राजू व हरिनगर निवासी अभयसिंह शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से जुए की 27840 रुपये राशि बरामद की गई है। उनके खिलाफ बाद में गैंबलिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया। होली पर बढ़ जाता है जुए का खेल होली पर्व पर जुआ खेलने का शौक रखने वाले कई स्थानों पर जुआ खेलते हैं। शहर की विभिन्न कॉलोनियों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक में भी होली पर्व पर मोटा जुआ खेला जाता है। हर साल इस पर्व पर पुलिस बड़ी संख्या में जुआरियों को गिरफ्तार करती है। इस बार भी शहर में जुए का खेल शुरू हो चुका है। पुलिस लगातार जुआरियों को काबू करने के लिए छापेमारी कर रही है। जुए के साथ-साथ बाजार में भीड़ बढ़ने पर सट्टा खाईवाली करने वाले लोग भी एक्टिव हो गए हैं।

बाजारों में भीड़ के कारण आवागमन होती है भारी परेशानी

आज से शहर में अतिक्रमण पर प्रशासन की रहेगी सख्ती डीएससी ने व्यापारियों को दिए थे सामान हटाने के आदेश

- होली में लोगों को दिक्कतें न आएं, इसलिए सख्ती

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। बाजार में सड़क पर रखा हुआ सामान। रेवाड़ी। बाजार में सड़क पर रखा हुआ सामान। फोटो : हरिभूमि

नगर परिषद ने शहर में मंगलवार से अतिक्रमण करने वालों पर सख्ती करने का निर्णय लिया है। सोमवार को डीएमसी राहुल मोदी ने व्यापारियों के साथ बैठक की और उनको स्वयं अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। डीएमसी ने कहा कि अब बाजार में अतिक्रमण करने वालों पर नप की टीम सख्ती से निपटेगी। मुख्य बाजारों के प्रधानों ने कहा कि बाजार में अतिक्रमण बड़ी समस्या है, लेकिन नगर परिषद के अधिकारियों की ओर से ठोस कार्रवाई न करने के कारण समस्या बढ़ती जा रही है। अतिक्रमण हटाने को लेकर पहले भी काफी बैठक हो चुकी है, लेकिन हर बार अभियान फेल हो रहा है। लंबे समय से अतिक्रमण कर रहा परेशान शहर के मुख्य बाजार सहित सरकुलर रोड पर लंबे समय से अतिक्रमणकारियों ने सड़क पर सामान रखकर कब्जा किया हुआ है। नगर परिषद की टीम योजना बनाती है, चालान करती है, जिसके बाद अभियान फेल हो जाता है। व्यापारियों ने दुकानों के आगे 8 से 10 फीट तक कब्जा किया हुआ है, जिससे सड़कें सिकुड़ कर रह गई है। नगर परिषद की टीम के बाजार में पहुंचने से पहले ही सूचना पहुंच जाती है और अतिक्रमणकारी सतर्क हो जाते है।

सामान होगा जब्त

मंगलवार सुबह से अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू किया जाएगा। अगर सड़क पर कहीं भी अतिक्रमण मिला तो सामान जब्त कर लिया जाएगा। अभियान से पहले सभी व्यापारियों को बता दिया गया है। इसके अलावा सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल करने वालों के भी चालान किए जाएंगे।
संदीप मलिक, ईओ नगर परिषद, रेवाड़ी

रेवाड़ी। सावित्री बाई फुले को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

पुण्यतिथि पर सावित्री बाई फुले को नमन, दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

- सैनी पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम का हुआ हुआ आयोजन

सैनी पब्लिक स्कूल में सावित्री बाई फुले की पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। इस अवसर पर सैनी सभा के प्रधान नवीन सैनी, सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी, महासचिव मनोज सैनी, सहसचिव कैलाश सैनी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मीनारायण सैनी, कॉलेजियम सदस्य मनीष सैनी व प्राचार्या अनीता यादव सहित सभी स्टाफ सदस्य व सैनी समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। सैनी पब्लिक स्कूल के चेयरमैन चेतराम सैनी ने सावित्री बाई फुले के कार्यों की सराहना करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया। प्राचार्या ने सावित्री बाई फुले की होर से स्त्री शिक्षा को प्रोत्साहन देने के लिए किए गए प्रयासों पर प्रकाश डाला।

खबर संक्षेप

पोक्सो एक्ट के तहत एक आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। सिटी पुलिस ने शहर की एक कॉलोनी में नाबालिग का यौन शोषण करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़ित पक्ष की शिकायत पर 8 मार्च को आरोपी के खिलाफ यौन शोषण करने व धमकी देने का केस दर्ज किया था। पीड़िता का मेडिकल कराने के बाद पुलिस ने आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए थे। पुलिस ने इस मामले में आरोपी रविंद्र को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

बाइक की टक्कर से दो व्यक्ति घायल

जाटूसाना। धनोरा गांव के पास पैदल घूमने के लिए जा रहे दो व्यक्ति बाइक की टक्कर लगने से घायल हो गए। रोहित कुमार ने पुलिस बयान में रोहित ने बताया कि वह अपने दो दोस्तों के साथ घूमने के लिए करावरा मानकपुर की ओर जा रहा था। बाइक ने उसे व सुमित को टक्कर मारकर घायल कर दिया। बाद में वह मौके से फरार हो गया। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने उसके बयान पर केस दर्ज करने के बाद बाइक चालक की तलाश शुरू कर दी।

हथियार उपलब्ध कराने का आरोपी गिरफ्तार

रेवाड़ी। बावल थाना पुलिस ने हथियार उपलब्ध कराने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गत दिनों एक व्यक्ति को देशी कट्टे के साथ गिरफ्तार किया था। पूछताछ के दौरान उसने बताया था कि से देशी कट्टा राजस्थान के नगर थानांतर्गत मोहल्ला जाटव निवासी राजेश ने मुहैया कराया था। पुलिस ने मामले में राजेश को भी शामिल करने के बाद उसे राजस्थान से काबू कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद न्यायिक हिरासत के तहत जेल भेज दिया गया।

पीएनबी पेंशनर्स एसो. की बैठक 13 को

रेवाड़ी। अखिल भारतीय पंजाब नेशनल बैंक पेंशनर्स एवं रिटायरीज एसोसिएशन यूनिट की आम बैठक का आयोजन 13 मार्च को सुबह 11 बजे पंजाब नेशनल बैंक अग्रणी बैंक कार्यालय अनाज मंडी में किया जाएगा। एसोसिएशन के सचिव एनएस तंवर ने बताया कि बैठक को होली मिलन कार्यक्रम के रूप में मनाया जाएगा। कार्यक्रम में नय सदस्यों को स्वागत किया जाएगा व पेंशन अपडेशन सहित अन्य मुद्दों पर भी विचार-विमर्श होगा।

युवक पर महिला से दुष्कर्म का केस दर्ज

कोसली। क्षेत्र के एक गांव में रह रही महिला ने सहादतनगर गांव के एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए कोसली थाने में मामला दर्ज कराया है। महिला ने बताया कि युवक उसे एक ओयो होटल में ले गया तथा उसके साथ दुष्कर्म किया।

एसपी डा. मयंक गुप्ता ने परेड का किया निरीक्षण

ईआरवी,पीसीआर व राइडर पर तैनात स्टाफ अपने-अपने एरिये में निरंतर गश्त करें: एसपी

बारह पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को सराहनीय कार्य करने पर किया सम्मानित

- सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर नजदीकी अच्छे अस्पताल में भर्ती कराए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। जवानों को दिशा-निर्देश देते हुए एसपी डा. मयंक गुप्ता। व पुलिस कर्मियों को सम्मानित करते एसपी डा. मयंक गुप्ता। फोटो: हरिभूमि

सोमवार को पुलिस लाइन में जवानों की परेड का आयोजन किया गया। एसपी डा. मयंक गुप्ता ने परेड की सलामी ली तथा निरीक्षण करते हुए जवानों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के उपरांत जवानों ने शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए दौड़ भी लगाई। इस अवसर पर डीएसपी सिटी जोगेंद्र शर्मा, डीएसपी बावल सुरेन्द्र श्योराण व डीएसपी कोसली विद्यानंद सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। परेड में जिले के सभी थाना प्रभारियों व चौकी इंचार्ज सहित सभी जवानों ने हिस्सा लिया। पुलिस अधीक्षक ने परेड के दौरान डायल 112, पीसीआर, राइडर व अन्य वाहनों का निरीक्षण भी किया। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक ने सराहनीय काम करने वाले 12 पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया। थाना कसोला में पीसीआर नंबर-5 पर तैनात ईएचसी विकास व एसपीओ सतबीर को फर्जी नंबर प्लेट लगाई हुई बाइक के साथ एक आरोपी को काबू करने पर सम्मानित किया गया। ईआरवी नंबर-579 पर तैनात ईएचसी महेश, ईएचसी अशोक व एसपीओ ताराचंद को थाना रामपुरा क्षेत्र से चोरी की गई बाइक के साथ दो आरोपियों को काबू करने पर तथा साइबर थाने से पीएसआई प्रिन्स, एएसआई अनिल कुमार, एचसी सतीश कुमार व सिपाही नसीब को साइबर ठगी के एक मामले में बिहार से गिरोह के पांच सदस्यों को काबू करने पर प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया। एसपी ने बताया कि भारत सरकार ने सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ितों को कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने के लिए एक पॉयलट योजना की शुरूआत की है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति अस्पताल में 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज का हकदार है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति के ईलाज के लिए शुरूआती एक घंटा अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। यदि इस अवधि के दौरान घायल व्यक्ति का इलाज ठीक तरीके से हो जाए तो उसकी जान का जोखिम कम हो जाता है। इसलिए सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को समय पर नजदीकी अच्छे अस्पताल में भर्ती कराए, ताकि पीड़ित का समय पर सही इलाज हो सके। एसपी ने कहा कि थाने में आने वाले सभी आमजन व पीड़ित से मधुर व्यवहार किया जाए। अच्छा कार्य करने वाले प्रत्येक पुलिस कर्मचारियों को सम्मानित किया जाएगा और लापरवाही करने वाले कर्मचारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं होगा, सभी जीरो टॉलरेंस पर नेक नियति, ईमानदारी से काम करें। एसपी ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं भी सुनी तथा अधिकतर समस्याओं का मौके पर ही निपटारा किया गया। पुलिस लाइन में स्वच्छता रखने के भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

इन पुलिस कर्मियों को किया गया सम्मानित

सम्मानित होने वालो में से सीआईए धारूहेड़ा से एएसआई चन्द्रवीर, एएसआई संदीप व सिपाही विकास को मोहल्ला कुतुबपुर निवासी एक युवक का अपहरण कर जबरन पैसे वसूलने के मामले में तीन वांछित आरोपियों को हथियार सहित काबू करने पर प्रशंसा पत्र व नकद इनाम देकर सम्मानित किया गया।

रेवाड़ी। कोसली में श्री श्याम बाबा की शोभायात्रा निकालते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

फाल्गुन एकादशी पर निकाली खाटू श्याम की शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोसली

- श्री श्याम सेवा मंडलों ने शोभायात्रा निकालकर कोसली के श्रीश्याम मंदिर में बाबा को निशान अर्पित किए

कोसली रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सोमवार को श्रद्धालुओं ने फाल्गुन शुक्ल एकादशी के अवसर पर श्री श्याम खाटू वाले की भव्य शोभायात्रा निकाली। कोसली, नाहड़, छव्वा, उष्मापुर, रतनथल, भाकली, जखाला, बैहरामपुर, पाल्हावास व गांव गुरावड़ा सहित अनेक गांवों में भी श्री श्याम सेवा मंडलों ने शोभायात्रा निकालकर कोसली के श्रीश्याम मंदिर में बाबा को निशान अर्पित किए। श्याम बाबा के रथ के साथ निशान यात्रा मंदिर से प्रारंभ होकर बाजार से होती हुई वापस श्रीश्याम मंदिर पहुंची। टैक्सी संचालकों व व्यापारियों के सहयोग से भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर मंडल के प्रधान भोलाराम सिंगल, लीलूराम स्वामी, मुकेश जांगड़ा, लीलूराम मोतला, ईश्वर गर्ग, विजय पूनिया, शंकर गर्ग, शुभम मंगला, प्रमोद गर्ग, कपूर बंसल, गौरव गर्ग, सतीश गर्ग,सुनील शर्मा सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

सीहा बाबा रामस्वरूप दास महाराज का मेला 14 को

कुंड। जिले के गांव सीहा में आगामी 14 मार्च को धुलेंडी पर्व के अवसर पर बाबा रामस्वरूपदास महाराज की स्मृति में गांव की पहाड़ी पर मेला लगाया जाएगा, जिसमें देश के कोने-कोने से श्रद्धालु शामिल होंगे। आश्रम के महंत नरोत्तमदास महाराज ने बताया मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। ढाढूपंथी बाबा रामस्वरूपदास महाराज मानव उत्थान के प्रति समर्पित एक महान संत हुए थे, जिन्होंने परमार्थ के लिए अनेकों सामाजिक और धार्मिक कार्य किए थे। उनकी पावन स्मृति में प्रतिवर्ष सीहा में पहाड़ी पर मेले तथा भंडारे का आयोजन किया जाता है।

होली मिलन समारोह का आयोजन

समाज के वास्तविक निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका: भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। कार्यक्रम में अतिथियों का सम्मान करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

आशियाना फाउंडेशन एवं भगवान परशुराम समिति के संयुक्त तत्वावधान में बूढ़पुर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि सविता यादव धर्मपत्नी विधायक लक्ष्मण यादव थी तथा फाउंडेशन की प्रदेश अध्यक्षा दीपा भारद्वाज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का शुभारंभ हवन एवं चंदन तिलक के साथ हुआ। इस अवसर पर दीपा भारद्वाज ने कहा कि समाज के वास्तविक निर्माण में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नारी का अस्तित्व सुंदर जीवन का आधार है। सविता यादव ने कहा कि समाज को सुंदर बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन चौहान, राशी जुनेजा, सचिव स्वीटी चौहान, आशा मखीजा, आशु आहुजा, उपासना भारतीय, सरोज यादव, पारीशा शर्मा, रुचिका नागपाल, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक मंगला, सत्यप्रकाश गौतम 8 अध्यक्ष भगवान परशुराम शिक्षा समिति लक्ष्मी नारायण ने भी अपने विचार व्यक्त किए।कार्यक्रम में वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य कृष्णा भारद्वाज, संगीत व नृत्य अध्यापिका चित्रा भारद्वाज व समाज सेविका सरोज यादव को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। सभी ने फूलों व तिलक लगाकर होली खेली। कार्यक्रम में ललिता यादव, अंजू सिंह, भावना भारद्वाज, राजबाला, आशा मखीजा, सोनिया चक्रवर्ती, कृष्णा यादव, निर्मला, मनीषा यादव, मोना शर्मा, सुमन शर्मा, अनीता, सरोज, कविता प सुषमा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

महिलाओं ने नाहड़ से पदयात्रा कर कोसली श्याम मंदिर में श्याम ध्वजा चढ़ाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ नाहड़

रेवाड़ी। श्याम निशान लेकर पदयात्रा करते हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

गांव नाहड़ से सोमवार को सैकड़ों महिलाओं ने श्री श्याम बाबा को निशान लेकर पैदल यात्रा शुरू की। महिलाओं ने कोसली के श्याम मंदिर में बाबा का निशान समर्पित किया। नाहड़ गांव के शिव मंदिर से शीश के दानी की जय, हारे के सहारे की जय, तीन बाण धारी की जय व खाटू नरेश की जय के जयकारे लगाते हाथों में निशान लेकर डीजे पर भजनों पर महिलाएं नाचते हुए कोसली के श्याम मंदिर पहुंची। महिलाओं ने एकादशी अवसर पर करीब 7 किलोमीटर पैदल यात्रा करके श्याम मंदिर में निशान चढ़ाकार श्री श्याम बाबा के दर्शन किए। यात्रा में शिव मंदिर तथा बाला धाम मंदिर के पुजारी पंडित गोविंद शर्मा, दीपचंद सेठ, पवन गर्ग व नरेश गर्ग सहित सैकड़ों श्रद्धालु शामिल थे।

शिविर में 132 छात्रों ने भाग लिया

विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

सोमवार को प्रोफेसर खुशी राम मैमोरियल उच्च विद्यालय भाड़ावास में वन विभाग के प्रचार एवं प्रशिक्षण रेंज गुरुग्राम की ओर से प्रकृति, शिक्षा, भ्रमण, प्रशिक्षण एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। 132 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वन विभाग से खजान सिंह उप वन राजिक अधिकारी और रेवाडी वन मंडल से दलीप कुमार उप वन राजिक अधिकारी, संजय यादव वन रक्षक व प्रदीप कुमार वन रक्षक ने विद्यार्थियों को वन एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने की जानकारी दी। कार्यक्रम प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के विजेता छात्रों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में विद्यालय की चेयरमैन सुशीला यादव व मुख्याध्यापक निक्की सहित सभी अध्यापकगण उपस्थित थे।

रेवाड़ी। कार्यक्रम में विजेता छात्रा को पुरस्कृत करते हुए।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा गंभीर रूप से घायल

खोरी। चीताडूंगरा रोड पर रविवार की रात हनुमान मंदिर के पास कार की टक्कर से बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। केस दर्ज करने के बाद कार चालक का पता लगाने के प्रयास शुरू कर दिए। रात को करीब 10 बजे माजरा निवासी सुखबीर व भालखी निवासी दीपक बाइक से अपने घर की ओर जा रहे थे। हनुमान मंदिर के पास पीछे से आ रही कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों बाइक सवार सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। चालक कार को वापस चीताडूंगरा की ओर भगा ले गया। आसपास के लोगों ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने सुखबीर को मृत घोषित कर दिया। दीपक को गंभीरावस्था में रेवाड़ी से पीजीआई रोहतक के लिए रेफर कर दिया गया।

एडीसी ने माजरा में पैमाइश कराकर अवैध कब्जे हटाने के दिए निर्देश

रेवाड़ी। समाधान शिविर में लोगों की सुनवाई करती एडीसी। फोटो :हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

एडीसी अनुपमा अंजलि ने सोमवार को समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को त्वरित निपटारा करने के निर्देश दिए। अवैध कब्जा से संबंधित एक शिकायत पर अधिकारियों को गांव आसरा का माजरा में पैमाइश कराकर आगामी कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। इसी प्रकार से विभिन्न प्रकार की सम्मान भत्ता पेंशन के संबंध में मौके पर कार्यवाही को पूर्ण किया गया। एडीसी ने कहा कि जिला प्रशासन का हर संभव प्रयास रहता है कि समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत का मौके पर समाधान किया जाए। डीएमसी राहुल मोदी, सीटीएम प्रीति रावत व डीडीपीओ नरेंद्र सारवान सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद थे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 1500/- रु. 2000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

समारोह

सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल में हुआ 11 कुंडीय हवन यज्ञ का आयोजन

योग से बढ़कर यज्ञ है, यज्ञ से पर्यावरण शुद्ध होता है, जिसका लाभ हर जीव को मिलता है

यज्ञ से आत्मिक प्रगति के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति भी होती : हरिओम महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

रेवाड़ी। स्कूल में आयोजित हवन में आहुति डालते हुए लोग। फोटो: हरिभूमि

विश्व शांति एवं जन कल्याण को लेकर घर-घर यज्ञ-हर घर यज्ञ अभियान के तहत देशभर में भ्रमण पर निकले जगतगुरु त्रिपुरा पीठाधीश्वर चक्रवर्ती यज्ञ सम्राट एवं सनातन धर्म प्रचारक हरिओम महाराज ने रविवार को नारनौल रोड स्थित सनग्लो इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित 11 कुंडीय हवन समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने सभी से 18 मार्च से 27 मार्च तक कुरुक्षेत्र में आयोजित 1008 कुंडीय जनकल्याण शिव शक्ति महायज्ञ में शामिल होने का आह्वान किया। महाराज ने कहा कि देश में अगर प्रदूषण इसी प्रकार बढ़ता रहा तो योग व मेडिटेशन और मेडिसिन सब कुछ एक दिन फेल हो जाएगा। योग से बढ़कर यज्ञ है, यज्ञ से पर्यावरण शुद्ध होता है, जिसका लाभ हर जीव को मिलता है। इसलिए वह देश के 24 राज्यों में 108 यज्ञ करने का संकल्प लेकर भारत के भ्रमण पर निकले हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश ऋषि मुनियों का देश है तथा गीता में यज्ञ को कर्म बताया गया है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् भागवत गीता में यज्ञ को कर्मयोग का पर्याय माना गया है। गीता के मुताबिक, यज्ञ को जीवनदर्शन माना गया है और यह कर्म करने की शुभ प्रेरणा है।

दान करने से पुण्य कर्मों में होती वृद्धि

महाराज ने कहा कि यज्ञ से जुड़े कर्मों से धन, सौभाग्य, वैभव, दीर्घायु, यश, कीर्ति और अनेक अलौकिक शक्तियां मिलती हैं। यज्ञ से आस-पास के वातावरण का शोधन होता है, जिससे कई बीमारियां ठीक होती है। यज्ञ में आत्मिक प्रगति के साथ-साथ राष्ट्र की प्रगति भी होती है। गीता के तीसरे अध्याय में यज्ञ की वैदिक रीति के बारे में बताया गया है। गीता के चौथे अध्याय में यज्ञ के 13 प्रकार बताए गए हैं। गीता में यज्ञ के कई अर्थ बताए गए हैं, जैसे कि दान, संगतिकरण और देवपूजन, यज्ञ, दान,और तप को श्रेष्ठ मनुष्यों को पवित्र करने वाला माना जाता है। दान करने से पुण्य कर्मों में वृद्धि होती है और दान का फल कई जन्मों तक मिलता है। दान करने का मन में पश्चाताप या अश्रद्धा होने पर वह दान नष्ट हो जाता है। दान करने से व्यक्ति का व्यक्तित्व बेहतर होता है तथा दान करने से समाज में सुख-शांति और समृद्धि आती है। इस मौके पर स्कूल में भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अनेक गणमान्य लोग, स्कूल स्टाफ तथा साधु संत शामिल हुए। स्कूल संचालक वी पी यादव व धर्मपत्नी शारदा यादव सहित अनेक जोड़ों ने यज्ञ में शामिल होकर हवन में आहुति दी।